A–0441

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BASL–202

कला में स्नातक (बी.ए.)

संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं भारतीय संस्कृति

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कृत साहित्य सर्वाधिक प्राचीन एवं व्यापक भाषा है सिद्ध कीजिए।
2. महर्षि वेदव्यास का परिचय देते हुए महाभारत की कथावस्तु को बताइए।
3. रघुवंश महाकाव्य के काव्य सौन्दर्य को विस्तार से बताइए।

4. चंपू काव्य के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

5. मुद्राराक्षस के आधार पर नायक चाणक्य का चरित्र-चित्रण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

महाकवि भास के नाटकों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. बाणभट्ट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
2. ब्रह्मचर्य आश्रम का वर्णन कीजिए।
3. संस्कार के प्रकार लिखते हुए गर्भाधान संस्कार का वर्णन कीजिए।
4. रघुवंश के प्रकृति चित्रण को समझाइए।
5. श्रीहर्ष की काव्य कला को बताइए।
6. पंचतंत्र की कथावस्तु को बताइए।
7. माघे सन्ति त्रयो गुणाः को विस्तार से समझाइए।
8. चंपू काव्य को परिभाषित कीजिए।

अथवा

रूपकों के भेदों को बताइए।

****